2022
हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक :** 100

नोट :

(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

(ii) इस प्रश्नपत्र में दो खण्ड हैं, दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना आवश्यक है।

खण्ड – क

1. (क) निम्नलिखित में से हिन्दी का प्रथम यात्रावृत्त है : **[1]**

(i) परीक्षा गुरु (ii) कलम का सिपाही (iii) सरयूपार की यात्रा (iv) पथ के साथी

(ख) 'साहित्य सन्देश' पत्रिका के सम्पादक हैं : **[1]**

(i) महावीरप्रसाद द्विवेदी (ii) राजेन्द्र प्रसाद (iii) प्रतापनारायण मिश्र (iv) गुलाब राय

(ग) खड़ी बोली गद्य का प्रारम्भ किस कृति से माना गया है ? **[1]**

(i) चौरासी वैष्णवन की वार्ता (ii) अष्टयाम (iii) चन्द छन्द बरनन की महिमा (iv) वर्ण रत्नाकर

(घ) 'रसज्ञ रंजन' के रचनाकार हैं : **[1]**

(i) प्रतापनारायण मिश्र (ii) महावीरप्रसाद द्विवेदी (iii) हजारीप्रसाद द्विवेदी (iv) जयशंकर प्रसाद

(ङ) 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' रचना किस विधा से सम्बन्धित है ? **[1]**

(i) आत्मकथा (ii) नाटक (iii) कहानी (iv) उपन्यास

2. (क) निम्नलिखित में कौन-सी रचना भक्तिकाल की है ? **[1]**

(i) 'द्वापर' (ii) 'सूर सारावली' (iii) 'प्रिय प्रवास' (iv) इनमें से कोई नहीं

(ख) रामधारी सिंह 'दिनकर' को ज्ञानपीठ पुरस्कार किस रचना पर प्राप्त हुआ ? **[1]**

(i) 'रेणुका' (ii) 'रश्मिरथी' (iii) 'कुरुक्षेत्र' (iv) 'उर्वशी'

(ग) रीतिकाल के किस कवि ने वीर रस की रचना की है ? **[1]**

(i) घनानन्द (ii) भूषण (iii) बिहारी (iv) सेनापति

(घ) 'कबीर वाणी के डिक्टेटर हैं' कथन है : **[1]**

(i) जयशंकर प्रसाद का (ii) नन्ददुलारे वाजपेयी का (iii) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी का (iv) रामचन्द्र शुक्ल का

(ङ) 'प्रेम सरोवर' के रचनाकार हैं : **[1]**

(i) मैथिलीशरण गुप्त (ii) माखनलाल चतुर्वेदी (iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (iv) जगन्नाथ दास 'रत्नाकर'

3. निम्नलिखित गद्यांशों पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **[5 × 2 = 10]**

भाषा स्वयं संस्कृति का एक अटूट अङ्ग है। संस्कृति परम्परा से निःसृत होने पर भी, परिवर्तनशील और गतिशील है। उसकी गति विज्ञान की प्रगति के साथ जोड़ी जाती है। वैज्ञानिक आविष्कारों के प्रभाव के कारण उद्भूत नयी सांस्कृतिक हलचलों को शाब्दिक रूप देने के लिए भाषा के परम्परागत प्रयोग पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए नये प्रयोगों की नयी भाव योजनाओं को व्यक्त करने के लिए नये शब्दों की खोज की महती आवश्यकता है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) सांस्कृतिक हलचलों के लिए क्या पर्याप्त नहीं है ?

(iv) किसकी गति विज्ञान की प्रगति के साथ जोड़ी जाती है ?

(v) भाषा किसका अभिन्न अङ्ग है और क्यों ?

अथवा

भारतीय संस्कृति के प्रति निष्ठा लेकर चलने वाले भी कुछ राजनीतिक दल हैं। किन्तु वे भारतीय संस्कृति की सनातनता को उसकी गतिहीनता समझ बैठे हैं और इसलिए बीते युग की रूढ़ियों अथवा यथास्थिति का समर्थन करते हैं। संस्कृति के क्रान्तिकारी तत्त्व की ओर उनकी

दृष्टि नहीं जाती। वास्तव में समाज में प्रचलित अनेक कुरीतियाँ, जैसे– छुआछूत, जाति-भेद, दहेज, मृत्युभोज, नारी-अवमानना आदि भारतीय संस्कृति और समाज के स्वास्थ्य की सूचक नहीं बल्कि रोग के लक्षण हैं। भारत के अनेक महापुरुष, जिनकी भारतीय परम्परा और संस्कृति के प्रति अनन्य निष्ठा थी, इन बुराइयों के विरुद्ध लड़े।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए।

(ii) भारतीय संस्कृति के क्रान्तिकारी तत्त्व की ओर किसकी दृष्टि नहीं जाती है ?

(iii) किन लोगों को भारतीय संस्कृति पर दृढ़ निष्ठा थी ?

(iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(v) समाज में प्रचलित कुरीतियों को लेखक ने क्या माना है ?

4. निम्नलिखित पद्यांशों पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **[5 × 2 = 10]**

लज्जाशीला पथिक महिला जो कहीं दृष्टि आये।
होने देना विकृत-वसना तो न तू सुन्दरी को।।
जो थोड़ी भी श्रमित वह हो गोद ले श्रान्ति खोना।
होठों की औ–कमल-मुख-म्लानतायें मिटाना।।
कोई क्लान्ता कृषक-ललिना खेत में जो दिखाए।
धीरे-धीरे परस उसकी क्लान्तियों को मिटाना।।
जाता कोई जलद यदि हो व्योम में तो उसे ला।
छाया द्वारा सुखद करना, तप्त भूताङ्गना को।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ का शीर्षक व कवि का नाम लिखिए।

(ii) रेखाङ्कित पङ्क्तियों की व्याख्या कीजिए।

(iii) इस पद्यांश में कौन-सा अलङ्कार है ?

(iv) इस पद्यांश में कवि ने किसका चित्रण किया है ?

(v) पवन थकी हुई किसान स्त्री की थकावट कैसे दूर करेगी ?

अथवा

शान्त, स्निग्ध ज्योत्स्ना उज्ज्वल !
अपलक अनन्त नीरव भूतल !
सैकत शय्या पर दुग्ध धवल, तन्वङ्गी गङ्गा ग्रीष्म विरल, लेटी हैं

श्रान्त, क्लान्त, निमचल !
तापस बाला गङ्गा निर्मल, शशिमुख से दीप्त मृदु करतल, लहरें उर पर कोमल कुन्तल !
गोरे अङ्गों पर सिहर-सिहर, लहराता तार-तरल सुन्दर चञ्चल अञ्चल-सा नीलाम्बर !

(i) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।

(ii) रेखाङ्कित अंश का भावार्थ लिखिए।

(iii) किसके हृदय पर लहरें कोमल केश-राशि की भाँति लहरा रही हैं ?

(iv) कौन तापस कन्या की भाँति प्रतीत हो रही है ?

(v) 'तन्वङ्गी' तथा 'नीलाम्बर' शब्दों के अर्थ लिखिए।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम 80 शब्द) **[3 + 2 = 5]**

(i) डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल (ii) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी (iii) डॉ० ए० पी० जे० अब्दुल कलाम

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन परिचय देते हुए उनकी साहित्यिक विशेषताएँ लिखिए : (अधिकतम 80 शब्द) **[3 + 2 = 5]**

(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (ii) जयशंकर प्रसाद (iii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

6. 'पंचलाइट' अथवा 'बहादुर' कहानी की कथा अपने शब्दों में लिखिए। (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) **[5]**

अथवा

'कर्मनाशा की हार' कहानी के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) **[5]**

(क) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर श्रीकृष्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए।
अथवा 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की किसी एक घटना को संक्षेप में लिखिए।

(ख) 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के आधार पर दशरथ का चरित्र-चित्रण कीजिए।
अथवा 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य की विशेषताएँ लिखिए।

(ग) 'आलोक वृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधी जी का चरित्र-चित्रण कीजिए।
अथवा 'आलोक वृत्त' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना का उल्लेख कीजिए।

(घ) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए। **अथवा** 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ङ) 'सत्य की जीत' के आधार पर दु:शासन के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।
अथवा 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

(च) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर किसी स्त्री पात्र का चरित्रांकन कीजिए। **अथवा** 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

खण्ड – ख

8. (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : **[2 + 5 = 7]**

हिन्दी-संस्कृताङ्ग्लभाषासु अस्य समानम् अधिकार: आसीत्। हिन्दी-हिन्दु-हिन्दुस्थानानाम् उत्थानाय अयम् निरन्तरम् प्रयत्नम् अकरोत्। शिक्षायै देशे समाजे च नवीन: प्रकाश: उदेति अत: श्रीमालवीय: वाराणस्यां काशीहिन्दूविश्वविद्यालयस्य संस्थापनम् अकरोत्। अस्य निर्माणाय अयम् जनान् धनम् अयाचत जनाश्च महत्यस्मिन् ज्ञानयज्ञे प्रभूतम धनम् तस्मै प्रायच्छन्, तेन निर्मितातोऽयम् विशाल: विश्वविद्यालय: भारतीयनां दानशीलताया: श्रीमालवीयस्य यशस: च प्रतिमून्रतरार्व विभाति। साधारण स्थितिकोऽपि जनो महतोत्साहेन मनस्वतया पौरुषेण च असाधारणमपि कार्य कर्तु क्षम इत्युद्शयात् मनीषीमधुन्धा: य: मालवीय:। एतदर्थमेव जनास्तं महामना इत्युपाधिना अभिधातुं मारदधवन्त।

अथवा

सप्रथम् हरिद्वार कुम्भपर्णाणि भागीरथी तटे पाखण्डखण्डनी पताकामस्थापयत ततश्च हिमाहरं गत्वा त्रीणि वर्षाणि तप् अतप्यत। तदनन्तरमयम् प्रतिपादितवान् ऋग्यजुस्सामाधर्माणो वेदा नित्या ईश्वरकतृकामाच, ब्राह्मण-क्षत्रिय-वैश्य-शूद्राणां गुण कर्म स्वभावैर्विभागो न तु जन्मना, चत्वार एव आश्रमा:, ईश्वर: एक एव ब्रह्म-पितृ-देवानतिथि-बलय-वैश्वदेवा: पञ्च महायज्ञा: नित्यं करणीया:।

(ख) निम्नलिखित श्लोकों का हिन्दी में सन्दर्भ सहित अनुवाद कीजिए : **[2 + 5 = 7]**

प्रजानां विनयाधानाद् रक्षरणाद् भरणादपि।
स पिता पितरस्तासां केवलं जन्महेतुवत्।।

अथवा

विद्या विवादाय धनं मदाय शक्तिः परेषां परिपीडनाय।
खलस्य साधो विपरीतमेतज्ज्ञानाय दानाय च रक्षणाय।।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर संस्कृत में दीजिए : **[2]**

(i) संस्कृत भाषायाः मुख्याः कवयः के सन्ति ?

(ii) दुर्योधनः कर्णं किम् अवोचत ?

(iii) धीराः कुतः पदं न प्रविचलन्ति ?

(iv) महामना मालवीयस्य कस्य पुत्रः आसीत् ?

10. (क) शान्त रस अथवा करुण रस की परिभाषा लिखकर उसका उदाहरण दीजिए। **[1 + 1 = 2]**

(ख) अनुप्रास अलङ्कार अथवा सन्देह अलङ्कार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। **[1 + 1 = 2]**

(ग) चौपाई छन्द अथवा रोला छन्द की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। **[1 + 1 = 2]**

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : **[2 + 7 = 9]**

(i) विज्ञान – वरदान है या अभिशाप (ii) भ्रष्टाचार – कारण और निवारण (iii) साहित्य के उत्थान में जनसञ्चार की भूमिका (iv) भारतीय समाज और नारी

12. (क) (i) 'नयनम्' का सन्धि-विच्छेद है : **[1]**

(अ) नै + अनम् (ब) नय + अनम् (स) ने + अनम् (द) नय + नमम्

(ii) 'हरेऽव' का सन्धि-विच्छेद है : **[1]**

(अ) हरे + व (ब) हर + एव (स) हर + अव (द) हरे + अव

(iii) 'दोग्धा' का सन्धि-विच्छेद है : **[1]**

(अ) दोः + धा (ब) दोध् + धा (स) दुः + धा (द) दुग्ध + आ

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक पद का विग्रह करके समास का नाम लिखिए : **[1 + 1 = 2]**

(अ) घनश्यामः (ब) प्रत्येकः (स) श्वेताम्बरम्

13. (क) (i) 'आत्मन्' शब्द का षष्ठी विभक्ति, द्विवचन रूप होगा : **[1]**

(अ) आत्मनः (ब) आत्मानौ (स) आत्मने (द) आत्मनोः

(ii) 'नामान्' शब्द का सप्तमी विभक्ति, बहुवचन का क्या रूप होगा ? **[1]**

(ख) (i) 'स्था' धातु में लोट् लकार, मध्यम पुरुष, बहुवचन का रूप होगा : **[1]**

(अ) तिष्ठ (ब) तिष्ठाम् (स) तिष्ठम् (द) तिष्ठत्

(ii) 'अपिबम्' अथवा 'नयत' का धातु-लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए। **[1]**

(ग) (i) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द के धातु एवं प्रत्यय का योग स्पष्ट कीजिए : **[1]**

(अ) गतः (ब) नीत्वा (स) यूतः

(ii) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द का संस्कृत प्रत्यय लिखिए : **[1]**

(अ) पीत्वा (ब) धीमती (स) दीनत्व

(घ) रेखाङ्कित पदों में किसी एक पद में प्रयुक्त विभक्ति तथा सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए : **[2]**

(अ) विद्यालयम् परितः उद्यानमस्ति। (ब) अहमपि त्वया सार्धं यास्यामि। (स) श्री गणेशाय नमः।

14. निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : **[2 × 1 = 2]**

(i) सड़क के दोनों ओर हरे वन हैं।

(ii) आदर्श विद्वानों में श्रेष्ठ है।

(iii) हमें सदा सत्य बोलना चाहिए।

(iv) आकाश तुम्हारे साथ घर जायेगा।

(v) शिक्षा जीवन के लिए ही होती है।